Issue 9 - September / सितम्बर - 2023

कृषक सारथी

Monthly Newsletter of
KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

The Occassion of 43rd Annual General Meeting

For Internal Circulation only

Marketing Director's Message

Welcome to the 9th issue of Krishak Saarathi, a testament to our dedication and cooperation.

The 43rd Annual General Body Meeting, presided by Dr. Chandra Pal Singh, was a significant milestone. It showcased our commitment to cooperative society.

Our recent achievements speak volumes about our transformative journey. With a pre-tax profit of Rs. 763.16 crore in 2022-23 and a 20% dividend on equity capital, we've reached new heights.

Our focus on sustainable agriculture and diversified operations shines. KRIBHCO Fertilizers Ltd (KFL) achieved record Urea and Ammonia production. Initiatives like KRIBHCO Agri Business Limited (KABL) and KRIBHCO Green Energy Private Limited demonstrate our holistic growth approach against our objective of business diversification.

As the lead promoter of Bharatiya Beej Sahakari Samiti Limited (BBSSL) and partner in National Cooperative Export Limited (NCEL), we align with the Ministry of Cooperation's vision for inclusive rural development and prosperity of farmer's with vision of "Sahakar Se Samriddhi"

The Ministry's support in streamlining regulations and fostering growth has been vital. We look forward to continued collaboration. Our commitment to service, sustainability, and prosperity is unwavering. With the Ministry of Cooperation, we'll create a brighter future.

Gratitude to our dedicated team and the entire KRIBHCO family for making Krishak Saarathi a valuable source of knowledge.

V. S. R. Prasad
Marketing Director

EDITOR'S DESK

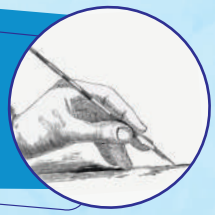

Dear Readers,

We proudly present the ninth issue of "Krishak Saarathi." With each edition, we aim to offer comprehensive insights into agriculture and cooperative farming.

In this Sep 2023 edition, we provide an in-depth analysis of KRIBHCO's 43rd Annual General Meeting (AGM) held on Sep 21, 2023. This AGM marked a significant milestone in our journey toward agricultural growth.

Noteworthy achievements include Urea production of 22.21 lakh MT and Ammonia production of 13.24 lakh MT, addressing the fertilization needs of farmers nationwide. Our diverse product range, including Neem Coated Urea, Bio Fertilizers, Certified Seeds, and more, supports sustainable agriculture.

KRIBHCO Fertilizers Ltd (KFL), our subsidiary, achieved record-breaking production and declared a 6% dividend, bolstering our cooperative network.

We're proud to lead the Bharatiya Beej Sahakari Samiti Limited (BBSSL), aligning with the Government of India's "Sahakar Se Samriddhi" vision, ensuring high-quality seed availability for enhanced agricultural productivity.

Our commitment to sustainability and green energy is evident through KRIBHCO Green Energy Private Limited, contributing to eco-friendly, energy-efficient biofuel and increasing farmers' income.

Honoring exemplary cooperators, Sh. K Srinivasa Gowda from Karnataka and Sh. Jayeshbhai Radadiya from Gujarat, exemplify our dedication to the cooperative movement.

Our mission is to increase farmers' income and promote sustainable, integrated agriculture. Initiatives like the Gramin Vikas Trust drive inclusive rural development.

We extend our heartfelt gratitude to readers, contributors, and supporters who've been integral to our journey. Your encouragement motivates us to excel in cooperative farming.

Explore the dynamic world of agriculture, cooperation, and growth within these pages. Together, we'll serve farmers and communities, fostering prosperity.

Dr. V. K. Tiwari
Dy. GM (Mktg)

Editorial Board

Sh. V S R Prasad, Mktg. Director
Chairman

Dr. V K Tiwari, DGM (Mktg)
Chief Editor

Sh. Sharvan Kumar, CM (Mktg)
Member – FAS

Sh. Devisht Agarwal, DM (MS)
Member – IT and Technical

Sh. Nitesh Kumar Mishra, DM (Mktg)
Editing, Design and Circulation

Sh. Raj Babu Kumar, AM (Mktg)
Member – Agriculture News Updates

Sh. Rishav Arora, AM (MS)
Member – Current Affairs

सहकार से समृद्धि संकल्प को साकार कर रहा है कृभको: डॉ चंद्रपाल सिंह

नई दिल्ली,
21 सितंबर 2023

कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) की 43वीं वार्षिक आमसभा संस्था के अध्यक्ष डॉ.चंद्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में आहूत की गई। सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित इस आमसभा में अध्यक्ष डॉ चंद्रपाल सिंह ने कहा कि हमारी संस्था सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार कर किसानों को समृद्ध कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान की समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव है।

कृभको एक प्रमुख उर्वरक उत्पादक किसानों की सहकारी समिति है जिसने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 763.16 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया है। सोसायटी ने वित्तीय वर्ष के लिए इक्विटी पूंजी पर 20% की दर से लाभांश की घोषणा की है।

सोसायटी के वार्षिक खातों को 21 सितंबर, 2023 को आयोजित 43वीं वार्षिक आम सभा की बैठक में सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया है, वर्ष 2022-23 के दौरान कृभको का यूरिया उत्पादन 22.21 लाख मीट्रिक टन और अमोनिया उत्पादन 13.24 लाख मीट्रिक टन क्रमशः 101.20% और 106.16% क्षमता उपयोग के साथ था। सोसायटी की उत्पाद श्रृंखला में न केवल नीम लेपित यूरिया बल्कि जैव उर्वरक, खाद, प्रमाणित बीज, बीटी कपास के बीज, हाइब्रिड बीज, एसएसपी, जिंक सल्फेट और आयातित डीएपी, एमएपी, एमओपी, एनपीएस, प्राकृतिक पोटाश और समुद्री खरपतवार फोर्टिफाइड जैव उत्तेजक भी शामिल हैं। कृभको ने 2022-23 के दौरान 57.08 लाख मीट्रिक टन उर्वरक (यूरिया के साथ-साथ जटिल उर्वरक) की बिक्री की।

कृभको की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कृभको फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (केएफएल) ने क्रमशः 126.65% और 134.30% की क्षमता उपयोग के साथ अब तक की सबसे अधिक मात्रा में 10.95 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 6.74 लाख मीट्रिक टन अमोनिया का उत्पादन किया है।

कृभको के प्रबंध निदेशक श्री राजन चौधरी ने सम्मानित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कृभको ने उत्पादन और अन्य मापदंडों के मामले में उपलब्धि के उच्चतम मानकों को बनाए रखा है। उन्होंने बताया कि सोसायटी की सहायक कंपनी केएफएल ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 6 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की है।

संतुलित उर्वरक को बढ़ावा देने के लिए, कृभको ने सबसे अधिक मात्रा में डीएपी, एनपीके/एस उर्वरकों का आयात किया है। अपने परिचालन में विविधता लाने के लिए कृभको ने दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों, कृभको एग्री बिजनेस लिमिटेड (केएबीएल) और कृभको ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया है। ऑपरेशन के पहले ही वर्ष में केएबीएल ने रु. 200 करोड़ का कारोबार हासिल किया है। कृभको ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के तीन प्लांट क्रमशः गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हजीरा, नेल्लोर और जगतियाल में बनाए जा रहे हैं। इन संयंत्रों में उत्पादन वर्ष 2024 से शुरू होने की उम्मीद है।

भारत सरकार के सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण के अनुरूप और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज को अपनाने, उपलब्धता को बढ़ावा देने एवं वर्तमान बीज प्रतिस्थापन दर को बढ़ाने के लिए, कृभको भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) का प्रमुख प्रमोटर बन गया है। जमीनी स्तर की सहकारी समितियों को शामिल करके कृषि उत्पाद निर्यात की संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने और प्रबंधित करने के लिए, कृभको ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) को भी बढ़ावा दिया है। ये दोनों पहल भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सक्रिय समर्थन और मार्गदर्शन से की गई हैं। सोसायटी को संचालन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

कृभको ने देश में सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो प्रतिष्ठित सहकारी बन्धुओं को सम्मानित किया है। कर्नाटक से श्री के श्री निवास गौड़ा को कृभको सहकारिता शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया और गुजरात से श्री जयेशभाई रादडिया को कृभको सहकारिता विभूषण पुरस्कार प्रदान किया गया।

कृभको, किसानों की एक अग्रणी संस्था होने के नाते, मुफ्त मिट्टी परीक्षण, किसानों की शिक्षा और एकीकृत कृषि को बढ़ावा देने के आधार पर उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के साथ खेती की लागत में कमी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में कृभको के निदेशकों और देश के विभिन्न राज्यों से आए सहकारी समितियों के सदस्यों एवं प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

अक्टूबर माह के कृषि कार्य

भारत में खेती के हिसाब से अक्टूबर का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस महीने में खरीफ फसलों की कटाई होती है और रबी फसलों की बुवाई शुरू हो जाती है। अगर किसान अपने खेत की मिट्टी, पानी की उपलब्धता, इलाके का मौसम और सरकारी नीतियों को ध्यान में रखकर खेती का कार्य करें तो ज्यादा मुनाफा कमा सकता है।

प्रमुख फसलों की खेती

धान

- धान में जीवाणु झुलसा रोग, जिसमें पत्तियों के नोक व किनारे सूखने लगते हैं, की रोकथाम के लिए पानी निकालकर एग्रीमाइसीन 75 ग्राम या स्ट्रेप्टोसाइक्लीन 15 ग्राम व 500 ग्राम कापर ऑक्सीक्लोराइड का 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- तना छेदक कीट, जिसके आक्रमण से सूखी बाल बाहर निकलती है, जिसे सफेद बाल भी कहते हैं, की रोकथाम के लिए ट्राइकोग्रामा नामक परजीवी को 8-10 दिन के अन्तराल पर छोड़ना चाहिए। क्लोरो-पायरीफास 20 ई0सी0 1.5 लीटर हेक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- गन्धीबग, जिसमें कीटों द्वारा बाली का रस चूस लेने के कारण दाने नहीं बनते हैं और प्रभावित बालियाँ सफेद दिखाई देती हैं, की रोकथाम के लिए मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण प्रति हेक्टेयर 25-30 किग्रा की दर से फूल आने के समय बुरकाव करें।

- धान की कटाई से एक सप्ताह पहले खेत से पानी निकाल दें । जब पोधे पीले पडने लगे तथा वालियां लगभग पक जायें तो कटाई उन्नत हासिएं या कवाईन मशीनों से करें। देर करने पर दाने खेत में ही झड़ जाते हैं तथा पैदावार कम मिलती है। सूखी फसल की गहाई पैडी सोशर से भी कर सकते है। धान को 12 प्रतिशत नमी तक सुखाकर भण्डारण करें।

अरहर

अरहर की अगैती फसल में फली छेदक कीट की रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर मोनोक्रोटोफास 36 ई0सी0 800 मिलीलीटर 500-600 लीटर पानी में 15-20 दिन के अन्तराल पर दो छिड़काव करें।

मूँगफली

फलियों की वृद्धि की अवस्था पर सिंचाई करें।

अन्न भण्डरण (खाद्य सुरक्षा)

अन्न भण्डरण (खाद्य सुरक्षा) खरीफ की फसलों के दानों को कीड़े बहुत नुकसान पहुचातें हैं, इनसे बचाव के लिए अन्न को धूप में अच्छी तरह सुखा लें तथा साफ कर लें। गोदाम व अन्न के ढोलों में सुराख व दरारें अच्छी तरह बंद कर लें। नई बोरियां प्रयोग में लाएं तथा उनको 0.1 प्रतिशत मैलाथियान के घोल में 10-15 मिनट डुबोये फिर छाया में सुखाकर आनाज के ठंडा होने पर भंडारण करें। चना व अन्य दालों पर सरसों या मूगफली का तेल 7.7 मि.ली. प्रति कि.ग्रा. दानों की दर से अच्छी तरह मसल लें।

मिट्टी परीक्षण

मिट्टी परीक्षण (मिट्टी का ज्योतिषी) - अक्टूबर माह में खेत खाली होने पर मिट्टी के नमूने ले लें। 3 वर्षों में एक बार अपने खेत का मिट्टी परीक्षण अवश्य करवाएं ताकि मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों (नत्रजन, फास्फोरस, पोटाशियम, सल्फर, जिक, लोहा, तांबा, मैंगनीज व अन्य) की मात्रा तथा फसलों में कौन सी खाद कब व कितनी मात्रा में डालनी है, का पता चल सके।

किसान भाई अक्टूबर माह में अरहर, मूंगफली, शीतकालीन मक्का, शरदकालीन गन्ना, तोरिया, राई सरसों, चना, मटर, बरसीम, गेहूं, जौ आदि फसलों की बुवाई अपने खेतों में कर सकता है।

गेहूं

रबी सीजन के अनुसार किसान खेत में गेहूं की बुवाई कर सकते हैं। गेहूं की बुवाई अक्टूबर महीने के अंतिम सप्ताह में करनी चाहिए। बुवाई से पहले खेतों को अच्छी तरह से तैयार करना चाहिए। खेतों में एक भी खरपतवार

नहीं रहनी चाहिए। असिंचित क्षेत्रों के लिए के-8027, के-9465 एवं मंदाकिनी अच्छी किस्मों में शुमार है।

गन्ना

शरदकालीन गन्ने की बुवाई के लिए अक्टूबर महीने का पहला पखवाड़ा उपयुक्त रहता है। खेत में गन्ने की बुवाई के लिए पिछले साल शरद ऋतु में बोए गए गन्ने से ही बीज प्राप्त करने चाहिए। गन्ने की बुवाई के लिए किसानों को दूसरे पखवाड़े का इंतजार नहीं करना चाहिए। क्योंकि पहले पखवाड़े के बाद सर्दी बढ़ने लगती है। यह मौसम गन्ने की बुवाई के लिए उचित नहीं है। किसानों को बीज के उपचार के बाद ही बुवाई करनी चाहिए।

मक्का

किसानों को शरद कालीन मक्का की बुवाई अक्टूबर के तीसरे सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक करनी चाहिए। यह फसल अप्रैल से मई तक तैयार हो जाती है। मक्के की खेती में कम बीमारियां लगती है और किसानों को ज्यादा फायदा होता है।

चना

किसानों को चने की बुवाई अक्टूबर माह के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए। चना की प्रमुख प्रजातियां पूसा-256, अवरोधी, राधे, के-850 तथा ऊसर क्षेत्र में बोआई के लिए करनाल चना-1 प्रमुख। काबुली चना की चमत्कार, पूसा-1003, शुभ्रा अच्छी किस्में हैं।

राई सरसों

अक्टूबर माह का प्रथम पखवाड़ा राई सरसों की बुवाई के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त है। सही समय पर बुवाई के लिए बरुणा, नरेन्द्र राई-8501, रोहिणी अच्छी किस्में हैं तथा देर से बुवाई के लिए आशीर्वाद व वरदान किस्मों का चयन किया जा सकता है।

प्रमुख सब्जियों की खेती

आलू

अक्टूबर माह में आलू की बुवाई शुरू हो जाती है। आलू की बुवाई के लिए खेतों को अच्छे से जोतना चाहिए तथा खेतों में भरपूर मात्रा में खाद का मिश्रण करना चाहिए। खेतों में खाद डालने के 15 से 20 दिन के बाद उन्नत किस्म वाले आलू की बुवाई करनी चाहिए। आलू की अगेती किस्म कुफरी अशोका, कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी जवाहर की बुवाई 10 अक्टूबर तक करनी चाहिए। मध्य एवं पिछेती किस्म कुफरी बादशाह, कुफरी सतलज, कुफरी पुखराज, कुफरी लालिमा की बुवाई 15-25 अक्टूबर तक करनी चाहिए।

मटर

मटर की बुवाई के लिए अक्टूबर का माह सबसे अच्छा माह माना जाता है। मटर की अगेती किस्मों के लिए प्रति हेक्टेयर 120-150 किग्रा तथा मध्यम व पिछेती किस्मों के लिए 80-100 किग्रा बीज का प्रयोग करें।

अक्टूबर माह के कृषि कार्य

पालक/मेथी/धनिया/गाजर/मूली

अक्टूबर माह में कई तरह की हरी सब्जियों का भी रोपण किया जाता है। इन सभी सब्जियों को अक्टूबर के अंत तक बो देना चाहिए। प्रति हेक्टेयर बुवाई के लिए पालक व मेथी 25-30 किग्रा, गाजर 6-8 किग्रा, मूली 8-10 किग्रा तथा धनिया 15-30 किग्रा बीज की आवश्यकता होती है।

फूलगोभी/पत्तागोभी

पिछले फूलगोभी की रोपाई 15 अक्टूबर के बाद कर सकते हैं। मध्यावधि व पिछले

पत्तोगोभी किस्मों की बुवाई पूरे अक्टूबर माह में कर सकते हैं।

बागवानी

- पपीता की रोपाई करें।
- आंवला में शूट गाल मेकर से ग्रस्त टहनियों को काटकर जला दें।
- आम में गुम्मा रोग की रोकथाम हेतु एल्फा नैपथलीन एसीटिक एसिड 4 एम0एल0 प्रतिलीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

पुष्प व सुगन्ध पौधे:

- **ग्लैडियोलस** के कन्दों को 2 ग्राम बेविस्टीन एक लीटर पानी की दर से घोल बनाकर, 10-15 मिनट तक डुबोकर उपचारित करने के बाद 20-30×20 सेमी पर 8-10 सेमी की गहराई में रोपाई करें। रोपाई से पूर्व क्यारियों में प्रति वर्गमीटर 5 ग्राम कार्बोफ्यूरान अवश्य मिलायें।
- **गुलाब** के पौधों की कटाई-छंटाईकर कटे भागों पर डाईथेन एम0 45 का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

पशुपालन/दुग्ध विकास:

- खुरपका-मुँहपका का टीका अवश्य लगवायें।
- वर्षा ऋतु में पशुओं के पेट में कीड़े पड़ जाते हैं। अतः कृमिनाशक दवाओं को पिलाएं।

मुर्गीपालन:

- सन्तुलित आहार निर्धारित मात्रा में दें।
- रानीखेत बीमारी से बचाव के लिए टीका लगवायें।

सहकारिता शिरोमणि पुरस्कार (2022–23)

श्री के. श्रीनिवास गौड़ा, 2022–23 के लिए KRIBHCO सहकारिता शिरोमणि पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, कर्नाटक के कोलार से एक प्रमुख सहकारी हैं। उन्होंने अपना जीवन सहकारिता आंदोलन के लिए समर्पित किया है। उन्होंने तालूक विकास बोर्ड के सदस्य के रूप में जन सेवा की शुरुआत की और फिर देश के विभिन्न प्रमुख सहकारिता संघों में उच्चतम पद पर पहुँचने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। इसके बाद, के. श्रीनिवास गौड़ा कोलार विधानसभा सीट से 1994, 1999 और 2004 में विधायक चुने गए और 2004–2006 के दौरान कर्नाटक सरकार के कृषि मंत्री के रूप में भी सेवा की।

श्री के. श्रीनिवास गौड़ा एक प्रतिष्ठित नेता है जिन्होंने समाज में महत्वपूर्ण योगदान किए हैं। उन्होंने 1996 से 1999 तक KRIBHCO के चेयरमैन के रूप में सेवा की और IC-P समिति पर कृषि संघटन, IFFCO, और IFFCO–TOKIO सहित विभिन्न अन्य संगठनों में प्रमुख पदों पर रहे। उनके इन संगठनों में नेतृत्व की भूमिकाएँ उनके कृषि और सहकारी क्षेत्र के सुधार के प्रति उनकी समर्पण को प्रकट करती हैं। उन्होंने विभिन्न सहकारी विपणन संघटनों, सहकारी समितियों, सहकारी बैंकों आदि में निदेशक पद पर सेवाएँ प्रदान की हैं। श्री के. श्रीनिवास गौड़ा सहकारिता विकास, ग्रामीण विकास और कृषि विकास के कई क्षेत्रों में अग्रणी रहे हैं। सहकारी आंदोलन के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सेवाएँ हमेशा याद रखी जाएंगी और मूल्यांकित की जाएंगी।

सहकारिता विभूषण पुरस्कार (2022–23)

श्री जयेशभाई रडाड़िया, 2022–23 के लिए KRIBHCO सहकारिता विभूषण पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, 20 दिसंबर 1981 को गुजरात के राजकोट जिले के जमकंदोर्ना गांव में पैदा हुए थे। उन्होंने एम एस यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। उनके कॉलेज के दिनों में उन्हें एम एस यूनिवर्सिटी के छात्र संघ के महासचिव के रूप में चुना गया था, जो भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त छात्रों का एक विधिक निकाय है। इसके बाद, उन्होंने 2009 में धोराजी विधानसभा सीट के लिए और 2012 में जेटपुर विधानसभा सीट के लिए एमएलए बनकर जनता की सेवा करने की यात्रा शुरू की। उन्होंने गुजरात सरकार में पर्यटन और नागरिक उड़ान, जल सप्लाई और पर्यटन के राज्यमंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले, कॉटेज उद्योग, प्रिंटिंग और स्टेशनरी के कैबिनेट मंत्री के रूप में भी सेवाएँ प्रदान की।

श्री जयेशभाई रडाड़िया एक बहुमुखी नेता है जिन्होंने सहकारी बैंकों, राज्य विपणन संघटनों, IFFCO आदि में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवा की।

KRIBHCO के लिए गर्व की बात है कि संस्था को श्री जयेशभाई रडाड़िया को समाज के प्रति उनके मूल्यवान योगदान के लिए सम्मानित करने का अवसर मिला है।

KRIBHCO in News

दैनिक भास्कर पटना 23-09-2023

कृभको की 43वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

पटना| कृषक भारती को ऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) की 43 वीं वार्षिक आमसभा संस्था के अध्यक्ष डॉ.चंद्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में हुई। सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित इस आमसभा में डॉ चंद्रपाल ने कहा कि हमारी संस्था सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार कर किसानों को समृद्ध कर रही है। कृभको एक प्रमुख उर्वरक उत्पादक किसानों की सहकारी समिति है जिसने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 763.16 करोड़ का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया है। सोसायटी ने वित्तीय वर्ष के लिए इक्विटी पूंजी पर 20% की दर से लाभांश की घोषणा की है। सोसायटी के वार्षिक खातों को 21 सितंबर, 2023 को आयोजित 43वीं वार्षिक आम सभा की बैठक में सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया है, वर्ष 2022-23 के दौरान कृभको का यूरिया उत्पादन 22.21 लाख मीट्रिक टन और अमोनिया उत्पादन क्रमशः 101.20% और 106.16% क्षमता उपयोग के साथ 13.24 लाख मीट्रिक टन था। कृभको के प्रबंध निदेशक राजन चौधरी ने कहा कि कृभको ने उत्पादन और अन्य मापदंडों के मामले में उपलब्धि के उच्चतम मानकों को बनाए रखा है।

आज २.५० ढाई रुपये मात्र

कृभको ने 763.16 करोड़ का कर पूर्व लाभ अर्जित किया

पटना (आससे)। कृषक भारती को ऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) की ४३वीं वार्षिक आमसभा संस्था के अध्यक्ष डा. चन्द्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में आहूत की गयी। आमसभा

वार्षिक आमसभा सम्पन्न

में अध्यक्ष डा. चंद्रपाल सिंह ने कहा कि हमारी संस्था सहकार के समृद्धि के संकल्प को साकार कर किसानों को समृद्ध कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान की समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव ...

सोसायटी ने वित्तीय वर्ष के लिए इक्विटी पूंजी पर २० प्रतिशत की दर से लाभांश की घोषणा की है। सोसायटी के वार्षिक खातों को २१ सितंबर, २०२३ को आयोजित ४३वीं वार्षिक आमसभा की ...

मीट्रिक टन और अमोनिया उत्पादन क्रमशः १०१.२० प्रतिशत और १०६.१६ प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ १३.२४ लाख मीट्रिक टन था। सोसायटी की उत्पाद शृंखला में न केवल नीम लेपित यूरिया बल्कि जैव उर्वरक, खाद, प्रमाणित बीज, बीटी कपास के बीज, हाइब्रिड बीज, एसएसपी, जिंक सल्फेट और आयातित डीएपी, एमएपी, एमओपी, एनपीएस, प्राकृतिक पोटाश और समुद्री खरपतवार ...

(यूरिया के साथ-साथ जटिल उर्वरक) की बिक्री की। कृभको की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कृभको फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (केएफएल) ने क्रमशः १२६.६५ प्रतिशत और १३४.३० प्रतिशत की क्षमता उपयोग के साथ अब तक की सबसे अधिक मात्रा में १०.९५ लाख मीट्रिक टन यूरिया और ६.७४ लाख मीट्रिक टन अमोनिया का उत्पादन किया है। कृभको के प्रबंध निदेशक राजन चौधरी ने कहा कि कृभको ने उत्पादन और अन्य मापदंडों के मामले में उपलब्धि के उच्चतम मानकों को बनाए रखा है। उन्होंने बताया कि सोसायटी की ...

CORPORATE BRIEFS

ANNUAL GENERAL BODY MEETING — KRIBHCO

Krishak Bharati Cooperative Ltd. has earned a pre-tax profit of Rs. 763.16 cr during the financial year 2022-23. The Society has declared dividend @ 20% on equity capital for the yr. The annual accounts of the Society have been approved by the members in its 43 rd Annual General Body Meeting held on 21 st Sept., 2023 which was presided over by Dr. Chandra Pal Singh, Chairman, KRIBHCO & attended by Directors of KRIBHCO ... from different parts of the country at Siri Fort auditorium, New Delhi.

सन्मार्ग

कृभको ने की 20 प्रतिशत की दर से लाभांश की घोषणा

पटना/संवाददाता। कृभको की 43वीं वार्षिक आमसभा संस्था के अध्यक्ष डॉ चंद्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में हुई। सिटी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए डॉ चंद्रपाल सिंह ने कहा कि हमारी संस्था किसानों को समृद्ध कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव है। बताते चलें के कृभको

राष्ट्रीय सहारा

किसानों की समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड

KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

कृभको भवन, ए-10, सैक्टर-1, नोएडा - 201301, जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

KRIBHCO Bhawan, A-10, Sector-1, NOIDA - 201301, District Gautam Budh Nagar (U.P.)

Designed by Wide Reach Advertising